७४वीं महाशिवरात्रि निमित्त अहमदाबाद शहर में ''संत सम्मान समारोह''

सुख शांति भवन, अमदाबाद :- ७४वीं महाशिवरात्रि के पावन त्योहार पर संतों की नगरी अहमदाबाद शहर में आध्यात्मिक भावनाओं को उजागर करने एवम् प्रभु संदेश देने हेतु ब्रह्माकुमारीज, सुख शांति भवन सेवाकेन्द्र द्वारा ७ दिवसीय (साप्ताहिक) आयोजित 'शिव वरदानी महोत्सव' के अंर्तगत 'संत सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया गया।

शहर के सुप्रसिद्ध प्रमुख मंदिरो, धार्मिक तीर्थ स्थानो, आश्रमों के महामंडलेश्वर, संतों, मंहतों, कथाकारों, पुजारियों, ट्रस्टीयों एवम् सेवकगणों की पिछले कई वर्षो से सेवायें हो रही हैं, उन सभी को विशेष निंमत्रण दिया गया था।

नीलकंठ महादेव के डॉ. विवेकानंद स्वामी, वेद मंदिर के पूज्य सेवादासजी महाराज, श्री १००८ रामा अवतार दासजी (मंत्री, भारत साधु समाज-गुजरात), गीता मंदिर के पूज्य विष्णुगिरी जी महाराज, रामदेवपीर मंदिर के पूज्य धनश्याम बापू, सुप्रसिद्ध भागवत कथाकार चैतन्य शंभु महाराज, बाल ब्रह्मचारी रामदास बंजरंगदास बापू, रणछोड जी मंदिर के आचार्य हेमा बहन दवे, कबीर मंदिर के मोहन दासजी महाराज, वैष्णव संप्रदाय ब्रज सेवा के कथाकार गीता सागर, खोडियार मंदिर के बालुपुरी बापू, रामजी मंदिर (पुनीत आश्रम) से सुभाष भाई उपाध्याय, संत कबीर उगमधाम के महंत श्री १०८ उगमदास जी, ओमकारेश्वर महादेव के देवगिरी बापू विशेष पधारे हुए थे।

संतगण एवम् राजयागिनी सरला दीदी जी ने दीप प्रज्जवल्लन किया। सभी संतों-महंतों का चंदन के तिलक, पुष्प-गुच्छ, पुष्प-माला, शॉल एवम् बैज पहना कर सम्मान-सत्कार अभिवादन किया गया। आये हुए संतों-मंहतों को प्रसाद, फल, परमपिता शिव परमात्मा का चित्र, केलेन्डर, स्लोगन कार्ड भेंट किया।

भक्तगण और जनसमुदाय को संबोधित करते हुए नीलकंठ महादेव के डॉ. विवेकानंद स्वामी ने अपने शुभ उद्‌बोधन में बताया कि ''शिवरात्रि एक महान पर्व है। इस दिन सभी को परमात्मा से शुद्ध बुद्धि एवम् प्रेरणायें प्राप्त हो ऐसी मंगल कामनायें रखता हूँ। आज की समाज व्यवस्था को देखते भगवान सभी को आध्यात्मिक शक्तियाँ सभी को प्रदान करे।''

ब्रह्माकुमारीज गुजरात की क्षेत्रिय संचालिका राजयोगिनी सरला दीदी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि - ''यह संतों का सम्मान-सत्कार समारोह तो है ही, साथ में हमारे अति स्नेही भ्राताओं को परमात्म-घर में, अपने धर में आने का अवसर है। आज दिन तक हर कार्य में स्नेही-सहयोगी बने हैं। समाज परिवर्तन के कार्य के लिये हम सब जिम्मेवार है, सब मिलकर, एकजुट होकर परमात्मा के इस कार्य में सहयोगी, मददगार बन, विश्व को नई राह दिखायें, ऐसी आशायें व्यक्त की।''

कु. अंजली एवम् कु. ज्हानवी ने स्वागत नृत्य 'सत्यम्-शिवम-सुंदरम्' प्रस्तुत किया। बहन अमीता जी एवम् गणेश भाई ने संतो के सम्मान में गीत प्रस्तुत किया। सभी आये हुए संतों-महंतों का शाब्दिक स्वागत ब्र. कु. नंदा बहन ने किया। धार्मिक प्रभाग गुजरात के कॉडिनेटर ब्र. कु. उषा बहन ने शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताया। आभार दर्शन डॉ. मुकेश भाई ने किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन ब्र. कु. नंदिनी बहन ने किया।